>

Title: Need to enhance pension and to give basic amenities to the workers of coal India. Ltd.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि कोल इंडिया में जो मजदूर काम करते थे, जब कोल इंडिया का रजिस्ट्रेशन होने को था, उसके पूर्व जो मालिकों की माइंस थी, उस पीरियड में जो वर्कर्स काम करते थे, उन्हें बहुत कम पेंशन मिलती है। उनका पीएफ नहीं कटता था, जब वे मालिकों के अंडर में काम करते थे। अभी उन्हें जो पेंशन मिलती है, सिर्फ दो सौ-तीन सौ रुपए कुछ लोगों को मिलती है और कुछ लोगों को एक हजार रुपए मिलती है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि कोल इंडिया के लिए सरकार की तरफ मैसेज जाए कि उनको जो सीएमपीएफ, कोल माइंस प्रोजेक्ट फंड के माध्यम से पेंशन मिलती है, उसमें कम से कम उन्हें तीन हजार रुपए की पेंशन मिले। उन्हें महंगाई भत्ता नहीं मिलता है और मेडिकल सुविधाएं भी नहीं मिलती है। ऐसे जो मजदूर थे, जिन्होंने मालिकों के ज़माने में काम किया है, बाद में जब सीआईएल का रजिस्ट्रेशन हुआ, उसके बाद कुछ वर्ष उन्होंने काम किया है, कम पीरियड काम किया है। ऐसे लोगों की बहुत दिक्कतें हैं, इन दिक्कतों को मैं आपके सामने रखते हुए इनकी पेंशन बढ़ाने की और सारी सुविधाएं उन्हें मिलें, इसके लिए मैं सरकार से मांग करता हूं।

MR. CHAIRMAN: Now, the House stands adjourned to meet again tomorrow at 11 a.m.

19.06 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Thursday, February 28, 2013/Phalguna 9, 1934 (Saka).

---

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Since the Centre did not heed to her demands.

* English translation of the speech originally delivered in Punjabi.